EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

13-17 OCTOBER 2025 Autumn
IHGF DELHI FAIR
60th Edition
INDIA EXPO CENTRE & MART, GREATER NOIDA EXPRESSWAY, DELHI-NCR

**प्रेस विज्ञप्ति**

ऊर्जा से भरपूर रहा चौथा दिन

60वां आईएचजीएफ दिल्ली मेला – ऑटम 2025

13–17 अक्टूबर 2025; इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा

**'ग्रेटर ईपीसीएच के लिए मंथन' में विचार-विमर्श और विचारों के आदान प्रदान के दौरान भारतीय हस्तशिल्प उद्योग के अग्रणी व्यक्तियों ने विज़न 2035 का खाका तैयार किया।**

**भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद; उत्तर प्रदेश सरकार में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा और वस्त्र मंत्री श्री राकेश सचान तथा कई अन्य सरकारी गणमान्य व्यक्तियों ने मेले का दौरा किया।**

अजय शंकर मेमोरियल पुरस्कार के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ स्टैंड डिज़ाइन और डिस्प्ले के लिए 14 श्रेणियों में प्रदान किए गए, उद्योग के अग्रदूतों को सम्मानित किया गया।

**दिल्ली/एनसीआर – 16 अक्टूबर 2025** - 13 से 17 अक्टूबर 2025 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे में आयोजित 60**वें** संस्करण का आईएचजीएफ दिल्ली मेला-ऑटम 2025 पूरी भव्यता के साथ चल रहा है, जिसमें विदेशी खरीदारों, क्रय एजेंसियों, प्रतिनिधियों और घरेलू थोक खरीदारों की बढ़ती भागीदारी देखी जा रही है। पिछले चार दिनों में भारत के लगभग सभी निर्यात बाजारों से खरीदारों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। कई नए संपर्क स्थापित हो रहे हैं और पुराने व्यवसायिक संबंधों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। नए आपूर्तिकर्ताओं की उत्पाद श्रृंखलाएं और नियमित विक्रेताओं की नवाचारों पर विचार किया जा रहा है। कुछ ऑर्डर पूरे हो चुके हैं और कुछ आडर्स को शो के बाद की बातचीत में अंतिम रूप दिया जा रहा है।

हस्तशिल्प निर्यात शिल्प संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने इस अवसर पर बताया, "आज ग्रेटर ईपीसीएच के लिए विचार-विमर्श और आइडिया के आदान प्रदान के लिए एक कार्यक्रम - 'मंथन' का आयोजन किया गया। यह एक ऊर्जा से भरा हुआ इंटरैक्टिव सत्र था जिसमें सदस्य निर्यातकों, खरीदारों और सेक्टर से जुड़े अन्य हितधारकों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य विस्तृत ईपीसीएच 'विज़न 2035' तैयार करना था, जिसमें नए बाजारों और उत्पाद श्रेणियों, खरीदार अधिग्रहण कार्यक्रमों, डिजिटल सेवाओं, स्थायित्व और अनुपालन सहायता, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सक्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि थिंक टैंक में मेरे साथ; ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार; ईपीसीएच के उपाध्यक्ष सागर मेहता और ईपीसीएच के मुख्य संयोजक अवधेश अग्रवाल श्री रजत अस्थाना, अध्यक्ष आईएचजीएफ दिल्ली फेयर ऑटम'25शामिल रहे। इनके अलावा ईपीसीएच के पूर्व अध्यक्षों जैसे श्री राज के मल्होत्रा, श्री ओ पी प्रहलाड़का, श्री लेखराज महेश्वरी, श्री डी कुमार, श्री अरविंद वधेरा सहित अन्य उद्योग के अग्रणी लोगों ने भी इस मंथन में हिस्सा लिया और ईपीसीएच व हस्तशिल्प क्षेत्र के भविष्य को आकार देने के लिए अनुभव आधारित महत्वपूर्ण सुझाव दिए।"

ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने इस अवसर पर कहा, "यह न केवल भारतीय हस्तशिल्प निर्यात क्षेत्र के लिए बल्कि समग्र रूप से वैश्विक व्यवसायों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय है। सही अंतर्दृष्टि, सीख, दृढ़ता और रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ, हम अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपना स्थान बनाए रखने के लिए स्थिरता और क्षमता की ओर बढ़ सकते हैं। हमारा लक्ष्य मौजूदा 3.9 बिलियन डॉलर से 9 बिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य तक पहुंचना है। बाधाओं पर काबू पाने में हमारे व्यापार की दृढ़ता और अनुभव को देखते हुए, हम निश्चित रूप से इसे प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी के साथ "ईपीसीएच के शावक" अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने अगली पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने के अनुरूप "ग्रेटर ईपीसीएच" की सफलता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्लस्टर ++ मॉड्यूल पर ध्यान केंद्रित करने, 3 स्तरीय संरचना को विकेन्द्रीकृत करने, एक्सपो बाजार और अन्य ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से डिजिटल सक्षमता सहित एक बहुआयामी रोडमैप पेश किया।

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा,"आज का दिन अत्यंत ऊर्जा से भरा रहा, जिसमें भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के कई गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विशेष तौर पर भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद और उत्तर प्रदेश सरकार में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा और वस्त्र मंत्री श्री राकेश सचान तथा कई अन्य सरकारी गणमान्य व्यक्तियों ने मेले का दौरा किया, प्रदर्शनी की सराहना की और प्रदर्शकों व ईपीसीएच को इस ऐतिहासिक संस्करण के लिए बधाई दी।

उन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से डिस्प्ले अवार्ड समारोह की शोभा बढ़ाई और आईएचजीएफ दिल्ली मेला-ऑटम 2025 के लिए अजय शंकर स्मृति पुरस्कार प्रदान किए। आज सम्मानित किए गए उद्योग एंबेसेडर के तौर पर विख्यात मेसर्स बोथरा इंटरनेशनल जोधपुर, राजस्थान के श्री नरेश बोथरा शामिल रहे वहीं श्री करण पटेल को नेक्स्ट-जेन युवा उद्यमी श्रेणी में सम्मानित किया गया।"

इस अवसर पर ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने बताया,"आज हमारे सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति ने हमें गौरवान्वित किया। इनमें हरियाणा और पंजाब उच्च न्यायालय से न्यायमूर्ति श्रीमती मंजरी नेहरू कौल, श्रीमती प्रियदर्शिनी कौल और श्रीमती नित्या नागू; उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से राज्यसभा सांसद श्री मिथलेश कुमार कटारिया; भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव;ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष और भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री मनिंदरजीत सिंह बिट्टा;तथा कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने मेले का दौरा किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शकों से बातचीत की और प्रदर्शित उत्पादों की उत्कृष्टता की सराहना की।"

आईएचजीएफ दिल्ली मेला-ऑटम 2025 के अध्यक्ष श्री रजत अस्थाना ने साझा किया,"आज का सेमिनार 'बेस्ट प्रैक्टिसेस यूज्ड बाय अदर कॉम्पेटेटिव मार्केट्स एंड हाउ टु अडॉप्ट टेक्नोलॉजी फॉर कटिंग कास्ट्स' विषय पर आयोजित हुआ। इसमें विषय विशेषज्ञों ने बताया गया कि अग्रणी निर्यात केंद्र कैसे सही वर्क फ्लो, स्टैंडर्ड प्रक्रियाएं और सोर्सिंग के समय ही गुणवत्ता पर ध्यान देकर सफलता हासिल करते हैं। इस सेमिनार मे इस बात पर भी चर्चा हुई कि इन प्रथाओं को हस्तशिल्प सेक्टर में कैसे अपनाया जा सकता है। इसी सेमिनार में उद्योग विशेषज्ञों ने कॉस्ट लीकेज, बार बार काम करने, आर्डर की वापसी,ऊर्जा दक्षता, पैकिंग डेंसिटी, लॉजिस्टिक्स और स्थायित्व जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया।"

इस मअवसर पर ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया,"इस मेले में रचनात्मक डिस्प्ले के आधार पर प्रदर्शकों को 10 श्रेणियों में पुरस्कारों के लिए चुना गया। अजय शंकर स्मृति पुरस्कार निम्न श्रेणियों में दिए गए: लैम्प्स, लाइटिंग और एक्सेसरीज़; होम टेक्सटाइल्स, फर्निशिंग्स और फ्लोर कवरिंग्स; फैशन ज्वेलरी और एक्सेसरीज़; डेकोरेटिव गिफ्ट्स (कॉर्पोरेट गिफ्ट्स सहित); बाथरूम एक्सेसरीज़; मोमबत्ती, अगरबत्ती, पोटपौरी मेडिकेशन और एरोमैटिक्स; हैंडमेड पेपर, गिफ्ट रैप्स और रिबन (सॉफ्ट

टॉयज़ सहित); और सस्टेनेबल उत्पाद। पी. एन. सूरी स्मृति पुरस्कार निम्न श्रेणियों में दिए गए: हाउसवेयर, टेबल और डेकोरेटिव उत्पाद; फर्नीचर, फर्नीचर हार्डवेयर और होम एक्सेसरीज़। उन्होंने अपनी बात को विस्तार देते हुए कहा कि ये प्रतिष्ठित सम्मान हैं और हमारे प्रदर्शक, विशेष रूप से नेक्स्ट-जेन और नए प्रतिभागी, इन पुरस्कारों के लिए चयन की प्रतीक्षा करते हैं।"
पुरस्कार विजेताओं की पूरी सूची संलग्न है।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि और होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर और फैशन जूलरी ऐंड एक्सेसरीज प्रॉडक्ट के उत्पादन में लगे क्राफ्ट क्लस्टर के लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है। इस अवसर पर ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन डॉलर) रहा।

----------------------------------------------------------------------------------------------------------------

**अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:**
श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक ईपीसीएच;
+91-9810697868

**PRESS RELEASE – Day 4**

**60th IHGF Delhi Fair – AUTUMN 2025**
**13th– 17th October 2025; India Expo Centre, Greater Noida**

# Power Packed Day

## Brainstorming and Ideation at '**Manthan for Greater EPCH**' sees Indian Handicraft Industry Premiers formulate Vision 2035

**Shri Jitin Prasada, Union Minister of State for Ministry of Commerce & Industry and Ministry of Electronics & Information Technology, Govt. of India;**

**Shri Rakesh Sachan, Cabinet Minister for Micro Small and Medium Enterprises, Khadi and Villages Industries, Sericulture Industries, Handloom and Textile, Govt. of Uttar Pradesh and several Government dignitaries visit**

## Ajai Shankar Memorial Awards for Best Stand Design and Display given away in 10 Categories, Pioneers of Industry felicitated

**Delhi/NCR – 16th October 2025 -** The 60th edition of the IHGF Delhi Fair-Autumn 2025 being held from 13th to 17th October 2025 at the India Expo Centre & Mart, Greater Noida Expressway is at full splendour with its increased patronage of overseas buyers, buying houses, buying agents and domestic volume buyers. The show continues to see busy field days with the first four days having registered buyers from almost all of India's export markets over the world. Several new contacts are being made and old ones renewed, product lines from new suppliers and innovations from regular vendors are being considered, some orders have wrapped up and some noted for finalizing amidst post-show follow-ups.

Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH informed, "Today, 'Manthan' a brain storming and ideation for Greater EPCH was held. This was a high-energy interactive session organised with member exporters, buyers and other stakeholders to create an expanded EPCH 'Vision 2035' with focus on new markets & product categories, buyer-acquisition programs, digital services, sustainability & compliance support, logistics and finance enablement, etc. The Think Tank included me, Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH & Chairman IEML; Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH; Avdesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH, Mr. Rajat Asthana, President IHGF Delhi Fair Autumn'25. Other industry leaders including former EPCH Chairmen namely Mr. Raj K Malhotra, Mr. O P Prahladka, Mr. Lekhraj Maheshwari, Mr. D Kumar, Mr. Arvind Vadhera participated and offered experience based valuable insights for shaping the future of EPCH and the handicraft sector as a whole."

Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH & Chairman IEML, added, "This is a very critical time not just for the Indian handicrafts exports sector but for global businesses as a whole. With the right insight, learning, perseverance and strategized approach, we can steer towards stability and competence to maintain our

niche in international markets. Our goal is to reach the export target of 9 bn Dollar from the current 3.9 bn dollar. Given the tenacity and experience of our trade in overcoming obstacles, we can certainly achieve this, but with the active participation of the young generation the "Cubs of EPCH" In his inspiring address he projected a multi dimensional roadmap including focus on cluster ++ module, decentralise 3 tier structure, digital enablement through expo bazaar and other online portals to achieve the goal for the success of "Greater EPCH' in line with fulfilling the aspirations of generation next .

"Today was a power packed day with the august presence of many dignitaries from the Government of India and the Government of Uttar Pradesh," Mr. Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH said and added, "Shri Jitin Prasada, Union Minister of State for Ministry of Commerce & Industry and Ministry of Electronics & Information Technology, Govt. of India; and Shri Rakesh Sachan, Cabinet Minister for Micro Small and Medium Enterprises, Khadi and Villages Industries, Sericulture Industries, Handloom and Textile, Govt. of Uttar Pradesh visited the fair and appreciated the display, commending the exhibitors and EPCH on the grand milestone edition. They also graced the Display Awards ceremony and gave away the Ajai Shankar Memorial Awards for Best Stand Design and Display for IHGF Delhi Fair-Autumn 2025. Among pioneers of the industry felicitated today was Mr. Naresh Bothra from M/s Bothra International, as pioneer of Rajasthan. Mr. Karan Patel for felicitated in the category of Next-gen Young Entrepreneur category.

Further, Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH, informed, "We have been humbled by the presence of our esteemed guests who visited the fair today. Justice Ms. Manjari Nehru Kaul, Mrs. Priyadarshini Kaul and Ms. Nitya Nagu from Haryana and Punjab High Court; Shri Mithlesh Kumar Kataria, Member of Parliament, Rajya Sabha from Shahjahanpur, Uttar Pradesh; Smt. Neelam Shami Rao, Secretary, Ministry of Textiles, Govt. of India; Shri Maninderjeet Singh Bitta, Chairman All-India Anti-Terrorist Front, and former President of Indian Youth Congress; and many others visited. They interacted with the exhibitors and applauded them for excellent range of products on display."

Mr. Rajat Asthana, President, IHGF Delhi Fair-Autumn 2025 shared, "Today's seminar on 'Best Industrial Practices Used by Other Competitive Markets and How to adopt Technology for Cutting Costs' was well attended. It explored how leading export hubs can achieve success through lean workflows, standardised processes and quality at source; and how these practices can be adapted to the handicrafts sector. The industry expert address key areas such as cost leakages, rework and returns, energy efficiency, packing density, logistics and sustainability to drive business growth."

Sharing about the Best Stand Design and Display Awards for IHGF Delhi Fair-Autumn 2025, Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH added, "Based on their creative display at this fair, exhibitors were selected for the awards in 10 categories. The Ajai Shankar Memorial Awards were for categories of Lamps, lighting and accessories; Home textiles, furnishings and floor coverings; Fashion jewellery and accessories; Decorative gifts including corporate gifts; Bathroom accessories; Candle, incense sticks, potpourri medication and aromatics; Handmade paper, gift wraps and ribbon including soft toys; and Sustainable products. The P N Suri Memorial Awards were given for categories of Houseware, table and decorative products; and Furniture, furniture hardware and home accessories. These are coveted recognitions and our exhibitors, especially the next-gen and new participants in the IHGF family, look forward to their selection for these awards. Complete list of awardees is ENCLOSED.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal institution for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, furniture, interior accessories, textiles, fashion jewellery & accessories, gifts and more products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US $ 3,918 Million) Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

---

**For more information please contact:**
Mr. R. K. Verma, Executive Director – EPCH
+91-9810697868

Encl: Hindi, English with photos

**Photo 1 & 2:** Shri Jitin Prasada, Union Minister of State for Ministry of Commerce & Industry and Ministry of Electronics & Information Technology, Govt. of India; and Shri Rakesh Sachan, Cabinet Minister for Micro Small and Medium Enterprises, Khadi and Villages Industries, Sericulture Industries, Handloom and Textile, Govt. of Uttar Pradesh visited and interacted with the participants of 60th IHGF Delhi Fair Autumn '25 at India Expo Centre & Mart.

Manthan for Greater EPCH
Banquet Hall, 2nd
DELHI FAIR
13 - 17 OCTOBER 2025
60

Manthan for Greater EPCH
16.10.2025
Banquet Hall, 2nd Floor, CFB, IEML
DELHI FAIR
13 - 17 OCTOBER 2025
60
SAGAR MEHTA
RAJAT ASTHANA

EPCH
IEML
DELHI FAIR
13 - 17 OCTOBER 2025
60
Manthan for Greater EPCH
16.10.2025
Banquet Hall, 2nd Floor, CFB, IEML

**Photo 3, 4, 5 & 6**: Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH alongwith Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH & Chairman IEML addressing the august gathering during an interactive session on "Manthan for Greater EPCH". Also seen Mr. Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH; Avdesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH, Mr. Rajat Asthana, President IHGF Delhi Fair Autumn'25 former EPCH Chairmen Mr. Raj K Malhotra, Mr. O P Prahladka, Mr. Lekhraj Maheshwari, Mr. D Kumar, Mr. Arvind Vadhera and stalwarts of the Handicraft fraternity.

**Photo 7:** Mr. Naresh Bothra from M/s Bothra International was felicitated today as pioneer of Rajasthan

**Photo 8:** Mr. Karan Patel for felicitated for Next-gen Young Entrepreneur category.